● **गाओ और समझो :**

५. एक चपाती

–रमेश तैलंग

जन्म : २ जून १९४६, टीकमगढ़(मध्यप्रदेश) **रचनाएँ :** हिंदी के नए बालगीत उड़न खटोले, एक चपाती और अन्य बालकविताएँ आदि।
परिचय : आप १९६५ से प्रमुख राष्ट्रीय दैनिकों में लेखन कर रहे हैं ।
इस कविता में चपाती और बिल्ली के बीच घटी मजेदार घटना को हास्य रूप में व्यक्त किया है ।

ताती–ताती एक चपाती
दिखी तवे पर पेट फुलाती
बिल्ली मौसी बोली–''म्याँऊँ !
भूख लगी, मैं तुझको खाऊँ ।''
सुनकर उछली दूर चपाती,
बोली फिर आँखें मटकाती–
''मौसी पहले मक्खन ला ।
फिर चाहे मुझको खा जा ।''
देख चपाती की ठनगन,
बिल्ली ले आई मक्खन ।
गुर्राकर फिर बोली–''म्याऊँ !
अब तो मैं तुझको खा जाऊँ?''
सुनकर उछली दूर चपाती,
बोली फिर आँखें मटकाती–

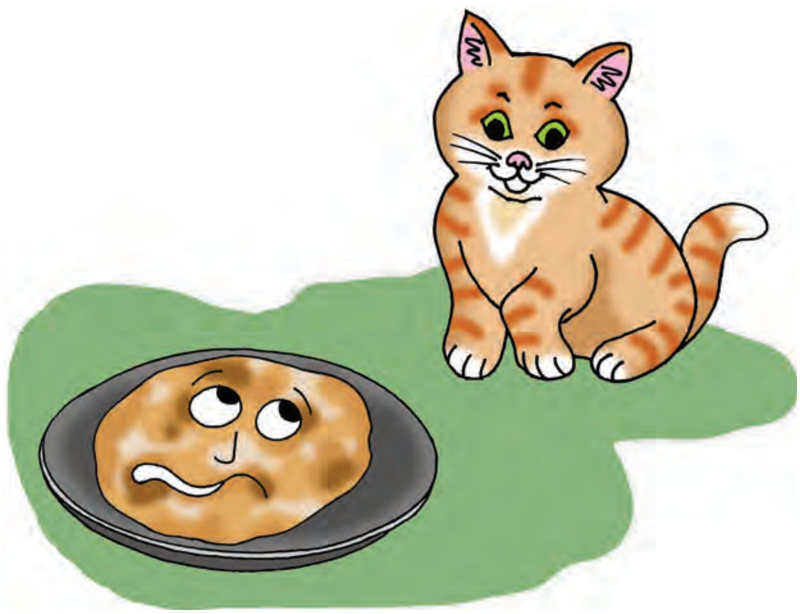

''हाँ, हाँ, पहले गुड़ तो ला ।
फिर चाहे मुझको खा जा ।''
बिल्ली चल दी गुड़ लाने ।
लगी लौटकर झुँझलाने ।
''म्याऊँ ! म्याऊँ ! म्याऊँ !
अब मैं खाऊँ । अब मैं खाऊँ''
मन ही मन में गढ़ी चपाती,
सोचा–'अब तो मरी चपाती ।'
चिढ़कर बोली–'खा नकटी ।'
बिल्ली गुस्से में झपटी ।
कमरे में आते ही माँ के,
बिल्ली भागी दुम दबा के
आँख खोल चपाती मुस्काई,
माँ ने उसकी जान बचाई ।

KPUBRP

❑ विद्यार्थियों से एकल एवं सामूहिक कविता पाठ कराएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से बिल्ली और चपाती के बीच हुए संवादों को स्पष्ट करें । उन्हें बाल–जगत से संबंधित अन्य किसी कल्पना के प्रति बाल मनोभाव व्यक्त करके प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करें ।